ट्रंप ने दवाओं पर 250 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी

वर्ष 2020 में भारत ने 6500 करोड़ रुपये की दवायें अमेरिका भेजी थीं

नई दिल्ली, 05 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स पर ढाई सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी है। दरअसल, सीएनबीसी को दिए एक इंटरव्यू में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह फार्मास्यूटिकल्स पर शुरू में छोटा टैरिफ लगाएंगे, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर डेढ़ सौ प्रतिशत और उसके बाद ढाई सौ प्रतिशत तक कर देंगे। उन्होंने यह टैरिफ एक से डेढ़ साल में बढ़ाने की बात कही है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दवाइयां अमेरिका में ही बनाई जाएं। उनका कहना है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए ज्यादा विदेशी देशों पर निर्भर न रहे, खासकर भारत और चीन पर। इस समय अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिए भारत पर काफी निर्भर है। डॉनल्ड ट्रंप के इस ऐलान से भारतीय फार्मा सेक्टर पर बड़ा असर पड़ सकता है।

■ **ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका फार्मा प्रोडक्ट्स के लिये भारत व चीन पर निर्भर नहीं रहे। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली दवायें वहीं बनाई जायें।**

भारत और अमेरिका के बीच फार्मास्यूटिकल सेक्टर में बड़ी डील होती है। दरअसल, भारत बड़ी मात्रा में अमेरिका को दवाइयां सप्लाई करता है, जिनमें जेनेरिक दवाइयां, वैक्सीन और एक्टिव इंग्रेडिएंट्स शामिल होते हैं। 2020 के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो भारत ने अमेरिका को लगभग 7.5 अरब डॉलर यानी करीब 65,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की दवाइयां भेजी हैं। वहीं, अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, अमेरिका में जो जेनेरिक दवाइयां इस्तेमाल की जाती हैं, उनमें लगभग 40 प्रतिशत से ज्यादा भारत से ही इंपोर्ट की जाती हैं। अब डोनाल्ड ट्रंप के इस ऐलान के बाद भारतीय फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर बड़ा असर पड़ सकता है। अगर ट्रंप भारत की दवाओं पर ढाई सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाते हैं, तो कंपनियों को अमेरिका में अपने प्रोडक्ट्स की कीमतों को दोगुना करना पड़ेगा। कीमतें बढ़ जाने से अमेरिका के लोग इन दवाओं को खरीदना कम कर देंगे, जिससे कंपनियों के मुनाफे में भारी कमी देखने को मिलेगी। हालांकि अब भारतीय कंपनियां अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने पर भी जोर दे सकती हैं। भारत जेनेरिक दवाएं सबसे ज्यादा बनाता है क्योंकि ये दवाएं सबसे सस्ती और उतनी ही असरदार होती हैं। अमेरिका में ज्यादातर डॉक्टर इन्हीं दवाओं को लिखते हैं।

कावड़ यात्रा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

धाम में भगदड़ मच गई। घबराहट और अत्यधिक भीड़ के चलते दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई है, जबकि दो महिलाओं की हालत गंभीर है। वहीं 8 से 10 लोगों का स्वास्थ्य खराब होने के चलते उन्हें भी जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

खड़गे-राहुल-प्रियंका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और चिंताजनक है। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के जल्द से जल्द मिलने की आशा करता हूं। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत कार्यों में प्रशासन का सहयोग और ज़रूरतमंदों की हर संभव मदद करें। वाड्रा ने कहा उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना में कुछ लोगों की मृत्यु और बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने का समाचार सुनकर मन को अत्यंत दुख पहुंचा। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें।

रूस ने ट्रंप की भारत को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने आगे कहा, "हम मानते हैं कि संप्रभु देशों को यह अधिकार होना चाहिए, और होता भी है कि वे अपने व्यापारिक साझेदार और व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के स्वरूप खुद तय करें, जो उनके राष्ट्रीय हित में हों।"

ट्रंप की धमकियों के चलते भारत सरकार बैकफुट पर नजर आई और रणनीतिक बदलाव करते हुए, डोभाल और जयशंकर को मास्को भेजने का निर्णय लिया। दोनों अधिकारी इस महीने मास्को की यात्रा पर जायेंगे तथा अमेरिका के बढ़ते दबाव के बावजूद, भारत-रूस रणनीतिक संबंधों की मजबूती की पुष्टि करेंगे।

डोभाल इसी सप्ताह मास्को जाएंगे, जबकि जयशंकर के इस महीने के अंत में जाने की संभावना है।

ये दोनों यात्राएं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले हो रही हैं, वे वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के सिलसिले में भारत आईं। साथ ही, ये यात्राएं शंघाई सहयोग संगठन के नेताओं के शिखर सम्मेलन से भी पहले हो रही हैं, जो 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चीन में आयोजित होना है। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन दोनों आमंत्रित हैं।

डोभाल की यात्रा के दौरान यह स्पष्टता आने की उम्मीद है कि भारत रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति को कैसे आगे बढ़ाएगा, खासकर जब ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि मास्को भारत को और सस्ती दरों पर तेल दे सकता है।

दिसंबर 2022 से रूस के कच्चे तेल की अधिकतम कीमत पर प्रति बैरल 60 अमेरिकी डॉलर निर्धारित है, जिसे जी7 देशों ने तय किया था। हालांकि, इस मूल्य सीमा की आलोचना भी हुई, क्योंकि यह अपेक्षित लक्ष्य को हासिल करने में काफी हद तक अप्रभावी रही।

ट्रंप ने सोमवार को ट्रुथ सोशल पर की गई एक पोस्ट में भारत पर आरोप लगाया कि वह रूस से तेल खरीदकर लाभ कमा रहा है, जबकि यूक्रेन में लोग मर रहे हैं। भारत न केवल बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीद रहा है, बल्कि तेल खरीदने के बाद, उस तेल की बड़ी मात्रा को खुले बाजार में ऊंचे दामों पर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है। उसे इस बात की कोई परवाह नहीं कि यूक्रेन में कितने लोग रशियन वॉर मशीन द्वारा मारे जा रहे हैं। इसी कारण, मैं भारत पर अमेरिका को दिए जाने वाले शुल्क में भारी वृद्धि करूंगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!!!

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि शुक्रवार से वे रूस और उसके ऊर्जा निर्यात खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाएंगे, रूस यूक्रेन में साढ़े तीन साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाता। समय सीमा नज़दीक आ जाने के बावजूद, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने अपने रूख में परिवर्तन के कोई संकेत नहीं दिये हैं।

हालांकि ट्रंप ने शुल्क वृद्धि के स्पष्ट विवरण नहीं दिए हैं, लेकिन उन्होंने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत टैक्स लगाने की योजना घोषित की है और अतिरिक्त दंडात्मक कार्रवाई के भी संकेत दिए हैं।

ट्रंप के शीर्ष सलाहकार स्टीफन मिलर ने रविवार को दावा किया कि भारत अप्रत्यक्ष रूप से रूस के युद्ध की फंडिंग कर रहा है। उन्होंने कहा है, "राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह स्वीकार्य नहीं है कि भारत रूस से तेल खरीदकर इस युद्ध को वित्तपोषित करता रहे।"

नई दिल्ली ने ट्रंप की धमकियों को "अनुचित" बताते हुये खारिज कर दिया है और अपने आर्थिक हितों की रक्षा करने का संकल्प व्यक्त किया है। दो भारतीय सरकारी अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि भारत अमेरिकी चेतावनियों के बावजूद, रूसी तेल की खरीद जारी रखेगा, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव और गहरा गया है।

बार-बार ब्याज दर घटाने ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजकोषीय नीति भी गिरते कर राजस्व और सीमित बजटीय गुंजाइश के कारण बंधी हुई है, जिससे पूरा बोझ मौद्रिक उपायों पर आ गया है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि "ब्याज दरों में कटौती कोई जादू की छड़ी नहीं है।" उन्होंने जोर देकर कहा था कि किसी भी ठोस आर्थिक पुनरुद्धार के लिए आधारभूत सुधार, जैसे अवसंरचना और कौशल विकास आवश्यक हैं। के ज्योति प्रकाश गाडिया और कोटक महिंद्रा की उपासना भारद्वाज दोनों ने कम से कम 50 आधार अंकों की और कटौती की वकालत की है, यह कहते हुए कि मौद्रिक नीति में अभी भी संभावनाएं हैं-अगर इसे संरचनात्मक और राजकोषीय समर्थन के साथ मिलाया जाए।

एसबीआई के सौम्य कांती घोष और पीरामल के देबोपम चौधरी पहले ही जून में हुई 50 बीपीएस कटौती का सटीक अनुमान लगा चुके थे और अब उनका अनुमान हैं कि अगर महंगाई नियंत्रण में रही, तो रेपो दर 2026 की शुरुआत तक 5 प्रतिशत के करीब आ सकती है। फिर भी, भारत रेटिंग्स के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में ऋण वृद्धि धीरे-धीरे ही बढ़ने की उम्मीद है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने हाल ही में स्वीकार किया कि भले ही केन्द्रीय बैंक ने "महंगाई के खिलाफ लड़ाई जीत ली हो", लेकिन "असली युद्ध अभी बाकी है।" उन्होंने यह भी बताया कि आरबीआई का रुख अब तटस्थ है, जिसका अर्थ है कि आगे की नीतियां महंगाई और विकास के रुझानों पर निर्भर करेंगी, सिर्फ वर्तमान आंकड़ों पर नहीं। मूल बात यह है कि मौद्रिक नीति ने अपना काम कर दिया है, लेकिन भारत की आर्थिक बहाली केवल ब्याज दरों में कटौती से संभव नहीं है। जब तक उपभोक्ता विश्वास नहीं लौटता, व्यापक सुधार नहीं होते, और राजकोषीय समर्थन नहीं मिलता, आरबीआई के कदम ऐसे ही रहेंगे, जैसे ईंधन तो है, पर इंजन स्टार्ट नहीं हो रहा।

उत्तरकाशी में बादल फटा, मात्र 34...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

5 अगस्त को दोपहर करीब 1:50 बजे तहसील भटवाड़ी के हर्षिल थाना क्षेत्र में स्थित खीर गढ़ में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया। इससे धराली बाजार क्षेत्र में भारी मलबा आ गया और कई इमारतें, होटल और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। जान-माल के वास्तविक नुकसान की अलग से जानकारी दी जाएगी। खोज और बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना को सक्रिय कर दिया गया है। पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है और एयरफोर्स की मदद प्राप्त करने के लिए हवाई सहायता का अनुरोध भेजा गया है। देहरादून के अधिकारियों ने जानकारी दी कि श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, एम्स ऋषिकेश और देहरादून सहित, आसपास के अस्पतालों में बेड आरक्षित कर दिए गए हैं। घटनास्थल के लिए एंबुलेंस भी रवाना कर दी गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, धराली के होटल, होमस्टे और मकानों के साथ-साथ, बड़ी संख्या में पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। बाढ़ के बाद पूरा इलाका समतल मैदान जैसा दिखने लगा और चारों तरफ मलबा फैल गया।

धराली (उत्तरकाशी) क्षेत्र में बादल फटने से हुए भारी नुकसान की खबर अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अन्य संबंधित टीमें युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है, "मैं वरिष्ठ अधिकारियों के लगातार संपर्क में हूं और स्थिति पर पूरी नजर रखी जा रही है। मैं ईश्वर से सभी की कुशलता की प्रार्थना करता हूं।" केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में हुई बादल फटने की इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस विनाशकारी आपदा में हुये जान-माल के नुकसान पर संवेदना प्रकट की और प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री ने एनडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियों को तुरंत सक्रिय होने के निर्देश दिए हैं।

आखिर क्यों भतीजे को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को टीएमसी की ओर से दिए गए ज्ञापन में महुआ का नाम शामिल न होने को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें कल्याण ने उन्हें असभ्य और बदतमीज़ कहा था।

ममता बनर्जी के लिए इससे भी बड़ी चुनौती उनके और भतीजे अभिषेक बनर्जी के बीच का "पीढ़ीगत टकराव" है। यह टकराव कई बार सामने आ चुका है। वर्ष 2021 में अभिषेक ने नेताओं के लिए रिटायरमेंट की उम्र तय करने की बात कही थी, जिसे पार्टी के पुराने नेताओं पर निशाना माना गया। जवाब में ममता ने अभिषेक के करीबी दो नेताओं की सुरक्षा हटवा दी और पुलिस कार्रवाई शुरू कर दी। पिछले साल कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मामले में भी अभिषेक ने सख्त रुख अपनाने की मांग की थी, जबकि ममता इसे शांत ढंग से संभालना चाहती थीं।

अभिषेक की टीएमसी में पकड़ लगातार मजबूत हो रही है। कुणाल घोष और कल्याण बनर्जी जैसे वरिष्ठ नेता भी उन्हें पार्टी का भविष्य मानते हैं। हालांकि ममता अभी तक उन्हें नेतृत्व सौंपने को तैयार नहीं दिखतीं-शायद पार्टी में एकता बनाए रखने के लिए। लेकिन माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले रणनीति और टिकट वितरण में अभिषेक की अहम भूमिका रहेगी। फिलहाल 70 साल की ममता बनर्जी अपनी "चप्पल" टांगने के मूड में नहीं हैं।

भारत को धमकाने वाले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भीतर भारी टैरिफ लगा देंगे। तथापि, भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि वह देशहित में अपने तेल आयात का निर्णय खुद ले रहा है। विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका और यूरोपीय संघ खुद भी रूसी उत्पादों का आयात करते रहे हैं, कई बार भारत से भी ज़्यादा।

हालांकि, भारत ने चीन की तरह सीधा पलटवार नहीं किया। चीन ने तो अमेरिकी घोषणा के जवाब में अपने टैरिफ 145 प्रतिशत तक बढ़ा दिए थे। भारत ने अब तक अमेरिका की धमकियों के जवाब में कोई प्रतिकारात्मक कदम नहीं उठाया। असल में ट्रंप की यह टैरिफ की धमकियां उनकी बेबसी का संकेत हैं। वे रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने में असफल रहे हैं, जबकि उन्होंने इसे रोकने का वादा किया था। रूसी राष्ट्रपति ने भी उनकी धमकियों को गंभीरता से नहीं लिया। वास्तव में तो उस समय स्थिति और भी बिगड़ गई जब ट्रंप ने दो परमाणु पनडुब्बियां रूस के खिलाफ रणनीतिक स्थानों पर भेज दीं। इसके जवाब में रूस ने तुरंत दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रही परमाणु हथियार नियंत्रण संधि में अपनी जिम्मेदारियों से साफ तौर पर किनारा कर लिया। परमाणु हथियारों और उनकी तैनाती को लेकर आक्रामक होती बातचीत के बीच रुस की यह कार्यवाही बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अब अमेरिका ने भारत के खिलाफ एक तरह का आर्थिक युद्ध छेड़ दिया है। ट्रंप ने भारत पर रूस को युद्ध में मदद देने का आरोप लगाते हुए भारतीय निर्यात पर बहुत ऊंचा शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि भारत अब रूस की तरह एक "मरी हुई अर्थव्यवस्था" है।

■ **लेकिन भारत के मामले में ट्रंप जरुरत से ज्यादा आक्रामक हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि भारत इतना ताकतवर नहीं है कि उन्हें जवाब दे सके। हालांकि, भारत ने प्रतिरोध जताया, पर, चीन की तुलना में भारत की प्रतिक्रिया बेहद संयमित मानी जा रही है।**

'भारत पर 24 घंटे में ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वह एक तरह सेयुद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं। हम 25 प्रतिशत पर सहमत हुए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा।" अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह भारत से आयात पर लगने वाले टैरिफ को अगले 24 घंटों में मौजूदा 25 प्रतिशत की दर से "काफी" बढ़ा देंगे, क्योंकि भारत लगातार रूसी तेल खरीद रहा है। ट्रंप ने सीएनबीसी को दिए एक साक्षात्कार में कहा, "वे युद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं, और अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, तो मुझे खुशी नहीं होगी।" उन्होंने आगे कहा कि भारत के साथ मुख्य समस्या यह है कि उसके टैरिफ बहुत ज़्यादा हैं। उन्होंने भारत के लिए कोई नई टैरिफ दर नहीं बताई।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केजरीवाल ने मलिक के निधन पर शोक व्यक्त करते हुये, उन्हें एक बेबाक, निडर, ईमानदार और सत्ता को आईना दिखाने वाला साहसी व्यक्ति बताया। जिन्दगी भर किसानों के हकों की लड़ाई लड़ने वाले सत्यपाल मलिक का जीवन एक साधारण परिवार के लड़के से देश के पांच राज्यों के राज्यपाल पद तक पहुंचने की कहानी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908